Pushpa Chauhan
Professor, (Deptt of Economics)
Vaishali Mahila College, Hajipur

Part - 1
Paper - 1
मांग की लोच के मापने की विधि

मांग की लोच मापने की विधि

मांग की लोच मापने की मुख्य तीन विधियां है। मूल्य में परिवर्तन होने पर मांग में किस दर से परिवर्तन होता है इसे जानने के लिए विभिन्न अर्थशास्त्रियों द्वारा अलग अलग रीतियों का प्रतिपादन किया जाता है।

1. कुल व्यय प्रणाली – मार्शल के द्वारा प्रतिपादित इस विधि में मूल्य में परिवर्तन होने के पहले और बाद में कुलव्यय की तुलना कर यह ज्ञात किया जाता है कि मांग की लोच इकाई से अधिक है या इकाई के बराबर है या कम है।

(a) मांग की लोच इकाई से अधिक (e>1) – मूल्य में परिवर्तन होने से कुल व्यय विपरीत दिशा में चलता है:- जब किसी वस्तु के मूल्य में कमी होने पर कुल व्यय की मात्रा बढ़ती है या मूल्य में वृद्धि होने पर कुल व्यय की मात्रा घटती है तो ऐसी वस्तु की मांग की लोच इकाई से अधिक है। ऐसी स्थिति में वस्तु को खरीदने में जितना रुपया व्यय किया जाता है वह मूल्य के बढ़ने पर घट जाता है तथा मूल्य के घटने पर बढ़ जाता है

वस्तु का मूल्य	मांगी गई मात्रा	कुल व्यय	मांग की लोच
4 रुपया	100 इकाइयाँ	400 रुपये	e > 1
2 रुपया	300 इकाइयां	600 रुपये	इकाई से अधिक

उपरोक्त उदाहरण से स्पष्ट है कि जब कीमत 4 रुपया

है तो वस्तु की 100 इकाइयाँ खरीदने पर कुल व्यय 400 रुपया है। लेकिन कीमत में कमी होने पर वस्तु की मांग बढ़ेगी यानि यहां 300 इकाइयां खरीदने पर कुल व्यय 600 रुपया है। यहां कुल व्यय की तुलना करने पर पाते हैं कि मूल्य में कमी होने पर कुल व्यय बढ़ा यानि मांग की लोच इकाई से अधिक है e > 1।

b) इकाई के बराबर (e = 1) - किसी वस्तु के मूल्य में परिवर्तन होने पर कुल व्यय अप्रभावित रहता है। यानि। जब किसी वस्तु के मूल्य में परिवर्तन (कमी या वृद्धि) होने पर कुल व्यय यथास्थिर रहता है तो मांग की लोच इकाई के बराबर होता है।

वस्तु का मूल्य	माँगी गयी मात्रा	कुल व्यय	मांग की लोच
4 रुपये	100 इकाइयां	400 रुपये	e = 1
2 रुपये	200 इकाइयां	400 रुपये	इकाई के बराबर

उपरोक्त उदाहरण में देखते हैं कि जब कीमत 4 रुपए है तो 100 इकाइयां खरीदी जाती हैं जिससे कुल व्यय 400 रुपये है। अब कीमत में कमी हुई तो मांग बढ़ेगी यानि मूल्य 2 रु० हुआ तो मांग बढ़कर 200 इकाई हो गयी कुल व्यय 400 रु० हुआ। कुल व्यय की तुलना करने पर पता चलता है कि यह यथास्थिर है तो मांग की लोच इकाई के बराबर e = 1 है।

(c) इकाई से कम (e < 1) - जिस दिशा में मूल्य परिवर्तन होता है उसी दिशा में कुल व्यय में परिवर्तन होता है,

Scanned with CamScanner

जब किसी वस्तु के मूल्य में कमी होने पर कुलव्यय की मात्रा में कमी होती है या मूल्य में वृद्धि होने पर कुल व्यय में वृद्धि होती है तो माँग की लोच इकाई से कम होती है।

वस्तु का मूल्य	माँगी गयी मात्रा	कुलव्यय	माँग की लोच
4 रुपये	100 इकाइयाँ	400 रुपये	e<1 इकाई से कम
2 रुपये	150 इकाइयाँ	300 रुपये	

उपरोक्त उदाहरण में देखते हैं कि जब कीमत 4 रुपये है तो 100 इकाई खरीदने पर कुल व्यय 4×100 = 400 रुपये है जब कीमत का हास 2 रुपये होता है तो माँग बढ़ी यानि 150 इकाइयाँ खरीदी जा रही है 2×150 = 300 रुपये कुलव्यय हुआ। जहाँ पर पहले कुलव्यय 400 रुपये है जो कीमत में कमी होने पर 300 रुपये होता है इसलिए माँग की लोच इकाई से कम है।

(2) प्रतिशत प्रणाली – माँग की लोच को मापने की दूसरी विधि के प्रतिपादक फ्लक्स हैं। इस विधि के अनुसार यह देखना होता है मूल्य में जो परिवर्तन होता है वह पहले मूल्य का कितना प्रतिशत है। इसके बाद माँग में जो परिवर्तन होता है वह पिछली माँग का कितना प्रतिशत है। प्रतिशत या अनुपातिक विधि के अनुसार माँग की लोच निम्न सूत्र से ज्ञात किया जाता है।

$$\text{माँग की लोच} = \frac{\text{माँगी गई मात्रा में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{कीमत में प्रतिशत परिवर्तन}}$$

Scanned with CamScanner

(i) मांग की लोच इकाई से अधिक - किसी वस्तु के मूल्य में जितने प्रतिशत से परिवर्तन होता है उसकी मांग में उससे ज्यादा प्रतिशत से परिवर्तन होता है तो यहां मांग की लोच इकाई से अधिक होगी मूल्य में 20% का परिवर्तन होने पर मांग में 40% का परिवर्तन होती है तो e > 1 है।

(ii) इकाई के बराबर - मूल्य में जिस अनुपात से परिवर्तन होता है मांग में भी उसी अनुपात से परिवर्तन होता है तो मांग की लोच इकाई के बराबर होगी मूल्य में 50% का परिवर्तन होने पर मांग में भी 50% का परिवर्तन होता है तो e = 1

(iii) इकाई से कम - मूल्य में 50% का परिवर्तन होने पर मांग में 30% का परिवर्तन होता है तो मांग की लोच इकाई से कम होता है (e < 1)।

5) बिन्दु विधि या रेखागणितीय विधि - मार्शल ने मांग की लोच मापने के लिए बिन्दु विधि को बताया विधि में मांग वक्र के विभिन्न बिन्दुओं पर मांग की कीमत लोच ज्ञात किया जाता है। इसमें जिस बिन्दु पर मांग की लोच ज्ञात करना होता है उस बिन्दु के निचले तथा उपरी भाग का अनुपात उस बिन्दु का मांग लोच होता है।

$$\text{मांग की लोच (ed)} = \frac{\text{मांग वक्र का निचला हिस्सा}}{\text{मांग वक्र का उपरी हिस्सा}}$$

Scanned with CamScanner